ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, मंगलवार 19 मई 2026
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 3 अंक 41

राजस्थान में गहराने लगी पेट्रोल-डीजल संकट की आहट, कई जिलों में पंप ड्राई होने की नौबत

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब ईंधन की कमी का असर भी सामने आने लगा है। राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में पेट्रोल पंपों पर सप्लाई प्रभावित होने लगी है, जबकि कुछ स्थानों पर डीजल और सामान्य पेट्रोल पूरी तरह खत्म होने की स्थिति बन गई है। जयपुर के गोपालपुरा बाईपास स्थित इंडियन ऑयल पंप पर डीजल खत्म होने के पोस्टर लगा दिए गए हैं। पंप सुपरवाइजर वीर सिंह के अनुसार पिछले कुछ दिनों से डीजल की सप्लाई लगातार कम हो रही है। उन्होंने बताया कि सीमित स्टॉक के कारण डीजल बिक्री रोकनी पड़ी है और पेट्रोल की बिक्री भी नियंत्रित की जा रही है ताकि मशीनें ड्राई न हों। रिद्धि-सिद्धि चौराहे स्थित पेट्रोल पंप पर केवल प्रीमियम पेट्रोल उपलब्ध कराया जा रहा है। पंप संचालकों का कहना है कि सामान्य पेट्रोल की सप्लाई बेहद कम है और तेल कंपनियों की ओर से प्रीमियम पेट्रोल बेचने का दबाव बढ़ रहा है। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के महासचिव शशांक कोरानी ने कहा कि प्रदेशभर में हालात लगातार खराब हो रहे हैं। सप्लाई कम होने के कारण जयपुर के कई पेट्रोल पंप ड्राई होने की स्थिति में पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि गोपालपुरा, मानसरोवर, कालवाड़ रोड, अजमेर रोड और आगरा रोड क्षेत्र में स्थिति और गंभीर हो सकती है। जोधपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल भरवाने के लिए लंबी कतारें देखने को मिलीं। चामू क्षेत्र में कई वाहन चालक घंटों लाइन में लगे रहे। किसानों ने चिंता जताई कि यदि समय पर डीजल उपलब्ध नहीं हुआ तो बारिश के बाद बुवाई प्रभावित हो सकती है। टोंक में कृषि मंडी क्षेत्र स्थित एचपीसीएल पंप पर डीजल खत्म हो गया, जबकि मशीन खराब होने के कारण पेट्रोल वितरण भी बंद करना पड़ा। जयपुर-कोटा बाईपास स्थित एक अन्य पंप पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म होने की सूचना है। पेट्रोल पंप एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रामबाबू व्यास ने बताया कि शहर के 12 में से 2 पंप ड्राई हो चुके हैं। उदयपुर जिले के आदिवासी क्षेत्र कोटड़ा में भी पेट्रोल-डीजल संकट गहराने लगा है। कोटड़ा और गुजरात सीमा के नजदीकी क्षेत्रों में दो पंपों पर ईंधन खत्म होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पार्वती पेट्रोल पंप पर पिछले पांच दिनों से पेट्रोल-डीजल उपलब्ध नहीं है। हालांकि कोटा में स्थिति सामान्य बताई जा रही है। कोटा पेट्रोल संगठन के अध्यक्ष तरुमित सिंह ने कहा कि शहर के सभी पंपों पर नियमित सप्लाई जारी है। वहीं अजमेर में करीब 40 प्रतिशत स्टॉक उपलब्ध होने की बात कही गई है, लेकिन समय पर सप्लाई नहीं मिलने पर संकट की आशंका जताई गई है। प्रदेशभर में बढ़ती मांग और सीमित आपूर्ति के बीच आमजन, किसान और परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोग चिंतित नजर आ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि

मजदूर आंदोलन में उग्र हुए विधायक भाटी, कलेक्ट्रेट पहुंच खुद पर पेट्रोल छिड़का

24 न्यूज अपडेट

बाड़मेर। रविंद्र सिंह भाटी ने मंगलवार को बाड़मेर में मजदूरों की मांगों को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान खुद पर पेट्रोल छिड़ककर सनसनी फैला दी। घटना उस समय हुई जब विधायक अपने समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। मौके पर मौजूद समर्थकों ने तुरंत कपड़े से पेट्रोल पोंछा, जबकि पुलिसकर्मी विधायक और उनके समर्थकों को धक्के देते हुए कलेक्ट्रेट परिसर के अंदर ले गए। जानकारी के अनुसार विधायक भाटी 500 वाहनों के काफिले के साथ गिरल गांव से कलेक्ट्रेट कूच के लिए रवाना हुए थे। पुलिस ने सुरक्षा कारणों से कलेक्ट्रेट से करीब एक किलोमीटर पहले बीएसएफ गेट के पास बसें लगाकर रास्ता बंद कर दिया। इसके बाद भाटी समर्थकों के साथ पैदल ही कलेक्ट्रेट की ओर बढ़े। इसी दौरान पुलिस और समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद विधायक ने अपने बैग से पेट्रोल की बोतल निकालकर खुद पर उड़ेल ली। घटना के दौरान विधायक ने पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मजदूरों पर अत्याचार किया जा रहा है। पुलिस ने तत्काल उन्हें घेरकर स्थिति को नियंत्रित किया और कलेक्ट्रेट के अंदर ले गई। वहां चिन्मयी गोपाल और चुनाराम जाट विधायक से बातचीत करते रहे। देर शाम तक वार्ता जारी रही और बाहर बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। दरअसल, गिरल लिग्नाइट माइंस क्षेत्र में स्थानीय श्रमिक, किसान और ड्राइवर पिछले 39 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स लिमिटेड ने स्थानीय लोगों को रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन अब युवाओं को नौकरी से निकाला जा रहा है। आंदोलनकारी 8 घंटे की ड्यूटी लागू करने और स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग कर रहे हैं।

सोमवार को विधायक भाटी ने चेतावनी दी थी कि यदि मजदूरों की मांगें नहीं मानी गईं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। वहीं, एक दिन पहले हाईकोर्ट ने गिरल माइंस से लिग्नाइट परिवहन शुरू कराने और वाहनों को सुरक्षा देने के निर्देश दिए थे। साथ ही प्रशासन को बाधा उत्पन्न करने वालों पर कार्रवाई करने के आदेश भी दिए गए थे।

सितंबर में भारत आएंगे रूसी राष्ट्रपति पुतिन, नई दिल्ली में BRICS शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। व्लादिमीर पुतिन इसी साल सितंबर में भारत दौरे पर आएंगे। रूसी सरकार ने मंगलवार को पुष्टि की कि पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले BRICS शिखर सम्मेलन 2026 में हिस्सा लेंगे। बताया गया है कि नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2025 में पुतिन के भारत दौरे के दौरान उन्हें आधिकारिक रूप से सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन का यह लगातार दूसरा भारत दौरा होगा। वहीं प्रधानमंत्री मोदी भी इसी वर्ष रूस यात्रा पर जा सकते हैं। पुतिन इससे पहले दिसंबर 2025 में भारत आए थे, जहां उन्होंने पीएम मोदी के साथ 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना गया था क्योंकि यूक्रेन युद्ध के बाद यह उनका पहला भारत दौरा था। इससे पहले वे वर्ष 2021 में नई दिल्ली आए थे। इस वर्ष भारत BRICS समूह की अध्यक्षता कर रहा है। BRICS दुनिया की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के अलावा मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई और इंडोनेशिया जैसे नए सदस्य भी शामिल हैं। भारत ने अपनी अध्यक्षता के दौरान 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को मजबूत करने, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को प्राथमिकता दी है। हाल ही में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी भारत आए थे और BRICS विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए थे। बैठक में पश्चिम एशिया के तनाव, वैश्विक सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग और आर्थिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। लावरोव ने 15 मई को यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा की तैयारियां चल रही हैं और दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा तथा व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति बनी है। हालांकि मोदी की रूस यात्रा की आधिकारिक तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है।

फालता सीट पर वोटिंग से पहले सियासी उलटफेर, TMC उम्मीदवार जहांगीर खान ने चुनाव से हटने का किया ऐलान

24 न्यूज अपडेट

पश्चिम बंगाल। चर्चित फालता विधानसभा सीट पर दोबारा मतदान से ठीक दो दिन पहले बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा की। फालता सीट पर दूसरे चरण के तहत 29 अप्रैल को मतदान हुआ था, लेकिन कई बूथों पर ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायतें सामने आई थीं। भाजपा ने आरोप लगाया था कि कुछ मशीनों में भाजपा के बटन पर टेप चिपकाकर उसे ब्लॉक कर दिया गया था। शिकायतों के बाद चुनाव आयोग ने 21 मई को दोबारा मतदान कराने का निर्णय लिया है, जबकि मतगणना 24 मई को होगी। चुनाव से हटने का ऐलान करते हुए जहांगीर खान ने कहा कि वह फालता में शांति और विकास चाहते हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की तारीफ करते हुए कहा कि वे क्षेत्र के लिए विशेष पैकेज ला रहे हैं, इसलिए उन्होंने चुनाव से हटने का फैसला लिया है। वहीं शुभेंदु अधिकारी ने तंज कसते हुए कहा कि जहांगीर खान के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था, क्योंकि उन्हें पोलिंग एजेंट तक नहीं मिल रहे थे और इसलिए उन्होंने चुनाव से भागने का रास्ता चुना। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने बयान जारी कर कहा कि जहांगीर खान का फैसला व्यक्तिगत है, पार्टी का नहीं। पार्टी ने दावा किया कि चुनाव परिणाम आने के बाद फालता क्षेत्र में उसके 100 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया और भाजपा की ओर से दबाव बनाया गया। फालता सीट राजनीतिक रूप से काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि यह डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है, जिसका प्रतिनिधित्व अभिषेक बनर्जी करते हैं। जहांगीर खान को अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता है। हालांकि चुनावी प्रक्रिया के नियमों के अनुसार नाम वापसी की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। ऐसे में चुनाव आयोग की ओर से आधिकारिक मंजूरी नहीं मिलने तक ईवीएम पर तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिन्ह के साथ जहांगीर खान का नाम और फोटो ही रहेगा। राजनीतिक और कानूनी रूप से अब सबकी नजर चुनाव आयोग के अगले कदम पर टिकी है।

सुप्रीम कोर्ट सख्तः 'आवारा कुत्तों से लोगों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता', खतरनाक और रेबीज संक्रमित कुत्तों को मारने की अनुमति

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। देशभर में बढ़ते डॉग बाइट मामलों और आवारा कुत्तों के खतरे पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाते हुए साफ कहा कि लोगों की जान की सुरक्षा सर्वोपरि है। अदालत ने कहा कि रेबीज संक्रमित, गंभीर रूप से बीमार या बेहद खतरनाक आवारा कुत्तों को कानून के दायरे में रहते हुए इंजेक्शन देकर मारा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि गरिमा के साथ जीने के मौलिक अधिकार में नागरिकों का भयमुक्त वातावरण में रहने का अधिकार भी शामिल है। अदालत ने कहा कि यदि कोई अधिकारी कोर्ट के निर्देशों को लागू करने में लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जा सकती है।

जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की बेंच ने नवंबर 2025 में जारी अपने आदेशों को वापस लेने की मांग वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दीं।

स्कूल, अस्पताल और स्टेशन के आसपास से हटेंगे आवारा कुत्ते

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल नवंबर में राज्यों और स्थानीय निकायों को निर्देश दिया था कि स्कूल, अस्पताल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थलों के आसपास से आवारा कुत्तों को हटाया जाए। अदालत ने कहा था कि पकड़े गए कुत्तों को शेल्टर होम में रखा जाए और उन्हें दोबारा सार्वजनिक स्थानों पर न छोड़ा जाए।

डॉग लवर्स की याचिका खरिज कोर्ट ने सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने पर भी रोक लगाई थी। इसी आदेश को चुनौती देते हुए कई डॉग लवर्स और पशु अधिकार संगठनों ने याचिकाएं दाखिल की थीं, जिन्हें अब खारिज कर दिया गया।

अदालत ने गिनाए डराने वाले आंकड़े

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने देश के अलग-अलग राज्यों से सामने आए डॉग बाइट मामलों का जिक्र करते हुए चिंता जताई।

कोर्ट के मुताबिक श्रीगंगानगर में एक महीने के भीतर कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं सामने आईं। इनमें कई छोटे बच्चों को चेहरे पर गंभीर चोटें आईं।

तमिलनाडु में साल के शुरुआती चार महीनों में करीब दो लाख डॉग बाइट केस दर्ज किए गए। अदालत ने सूरत में एक जर्मन नागरिक को कुत्ते द्वारा काटे जाने की घटना का भी उल्लेख किया। कोर्ट ने कहा कि ऐसी घटनाएं आम लोगों के भीतर भय पैदा कर रही हैं और शहरी प्रशासन पर भरोसा कमजोर कर रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट के 9 बड़े निर्देश

अदालत ने केंद्र और राज्य सरकारों को आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए कई सख्त निर्देश दिए हैं—

राज्यों को एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया (AWBI) के नियमों को और सख्ती से लागू करना होगा। हर जिले में कम से कम एक पूरी तरह कार्यरत एनिमल बर्थ कंट्रोल (ABC) सेंटर स्थापित करना होगा। अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार अतिरिक्त ABC सेंटर बनाए जाएंगे।

कोर्ट के आदेशों और पशु कल्याण नियमों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

सार्वजनिक स्थलों पर लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन को विशेष कार्रवाई करनी होगी। एंटी-रेबीज वैक्सीन और दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवारा पशुओं को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

रेबीज संक्रमित या अत्यधिक आक्रामक कुत्तों के मामलों में यूथेनेशिया यानी दया मृत्यु जैसे कदम उठाने की अनुमति दी गई है।

कोर्ट के आदेश लागू करने वाले नगर निकाय अधिकारियों को कानूनी संरक्षण दिया जाएगा ताकि उनके खिलाफ अनावश्यक FIR या कार्रवाई न हो।
कोर्ट ने पहले ही दी थी चेतावनी

मामले में पिछली सुनवाई 29 जनवरी को हुई थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि उसकी टिप्पणियों को हल्के में लेना गलत होगा। अदालत ने चेतावनी दी थी कि यदि आवारा कुत्तों के हमलों में किसी की मौत या गंभीर चोट होती है तो स्थानीय निकायों के साथ डॉग फीडर्स की जिम्मेदारी भी तय की जा सकती है।

स्वतः संज्ञान से शुरू हुआ था मामला

यह पूरा मामला जुलाई 2025 में तब शुरू हुआ था, जब सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में आवारा कुत्तों के हमलों और मौतों पर स्वतः संज्ञान लिया था। इसके बाद अदालत ने दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों को सड़कों से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश दिए थे। हालांकि विरोध के बाद अदालत ने अपने आदेश में संशोधन करते हुए कहा था कि जो कुत्ते आक्रामक नहीं हैं और रेबीज से संक्रमित नहीं हैं, उन्हें नसबंदी और टीकाकरण के बाद वापस उसी इलाके में छोड़ा जा सकता है। बाद में इस मामले का दायरा पूरे देश तक बढ़ा दिया गया।

संपादकीय : जिम्मेदारी का दायरा

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि लाखों विद्यार्थी एक भरोसे के साथ जिस परीक्षा में अपना भविष्य बेहतर बनाने के लिए बैठें, वह सिर्फ उनके हित में साबित हो, जिनकी पहुंच उसके प्रश्नपत्र तक हो । देश भर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट यूजी को सबसे अच्छे प्रबंधन के तहत संचालित करने का दावा किया जाता रहा है। मगर पिछले कुछ वर्षों में इसमें जिस स्तर की गड़बड़ियां सामने आई हैं, उसमें यह सवाल उठा है कि हर बार कार्रवाई के तौर पर कुछ औपचारिक और दिखावे के कदम उठा कर क्या परीक्षा के प्रश्नपत्र बाहर आने की घटनाओं पर काबू पाया जा सकता है ? यह इस वर्ष फिर साबित हुआ है कि पहले की घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया गया और ऐसे जरूरी कदम नहीं उठाए गए, जिससे इस परीक्षा की पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित हो । नतीजतन, इस महीने के शुरू में आयोजित नीट के प्रश्नपत्र लीक होने की खबर आई। फिर मामले के तूल पकड़ने के बाद परीक्षा को रद्द कर देना ही सबसे आखिरी उपाय माना गया, जिसकी वजह से करीब बाईस लाख विद्यार्थियों का भविष्य फिलहाल अधर में लटक गया। सवाल है कि इस अफसोसनाक स्थिति के लिए मुख्य जिम्मेदारी किसकी बनती है जो राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए सबसे बेहतर व्यवस्था के तहत परीक्षाओं के आयोजन का भरोसा देती रही है, क्या नीट- यूजी में प्रश्नपत्र लीक होने सहित अन्य गड़बड़ियों की निरंतरता कायम रहने की स्थिति में अब भी वह अपनी साख और प्रतिष्ठा के बने रहने का दावा कर सकती है ? प्रश्नपत्र लीक होने के तथ्य सामने आने, उसके राजस्थान के कई कोचिंग संस्थानों में पहुंचने और मोटी रकम लेकर विद्यार्थियों को बेचने की खबरों के बाद सरकार ने मामले की विस्तृत जांच की जिम्मेदारी सीबीआइ को सौंपी। उसके बाद से अब तक कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिसमें नीट परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी एनटीए की एक विशेषज्ञ भी शामिल हैं। अगर खुद एनटीए की ओर से इतनी अहम जिम्मेदारी संभालने वाला कोई शख्स ही प्रश्नपत्र लीक करने का आरोपी हो, तो ऐसे में किसी संस्था की साख की क्या अहमियत रह जाती है ? गौरतलब है कि इस तरह की गड़बड़ियों पर काबू पाने के लिए राधाकृष्णन समिति ने अपनी रिपोर्ट में एनटीए में ढांचागत सुधार की सिफारिश की थी। इसके अलावा, संसद में परीक्षाओं के संदर्भ में संगठित तौर पर पेपर लीक जैसी किसी गड़बड़ी के लिए दस वर्ष की कैद के प्रावधान वाला कानून पारित किया गया। साथ ही अन्य सभी कमियों को दुरुस्त करने के मद्देनजर कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले सीसीटीवी कैमरों सहित आधुनिक तकनीक से लैस बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई। इस सबके बावजूद अगर नीट- यूजी का प्रश्नपत्र लीक हो जाता है और यहां तक कि परीक्षा रद्द करने की नौबत आती है, तो यह किसकी नाकामी है ? अब तक जो गिरफ्तारियां हुई हैं, क्या इस व्यापक गड़बड़ी का दायरा वैसे ही निचले स्तर के आरोपियों तक सिमटा हुआ है? ऐसा नहीं है कि नीट परीक्षा के आयोजन में यह कोई पहला मामला सामने आया है। इससे पहले भी कई बार अलग-अलग तरह की अनियमितताओं की खबरें आती रही हैं। सच यह है कि परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने के इस रोग को खत्म करने के लिए उच्च स्तर पर जवाबदेही तय करने की जरूरत है। वरना पारदर्शिता के अभाव में वैसे लाखों बच्चों का भविष्य बाधित होगा, जो अपनी मेहनत के बूते परीक्षा में बैठते हैं।

लापरवाही बदस्तूर

देश के महानगरों से लेकर छोटे कस्बों में जगह-जगह तरणताल बनाए जा रहे हैं, लेकिन वहां सुरक्षा मानकों को लेकर कोई गंभीरता नजर नहीं आती है। न तो इन परिसरों में प्रबंधन स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति पर ध्यान दिया जाता है और न ही शासन-प्रशासन की ओर से जांच एवं निगरानी की जरूरत महसूस की जाती है। इसी लापरवाही के कारण कई बार तैराकी के शौकीन बच्चों और युवाओं की भी जान चली जाती है। ऐसी ही एक घटना राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वजीराबाद के जगतपुरी इलाके में सामने आई, जहां रविवार सुबह एक तरणताल में दस साल के बच्चे की डूबने से मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि यह तरणताल बिना किसी अनुमति के व्यावसायिक तौर पर संचालित किया जा रहा था। यहां न तो किसी विशेषज्ञ तैराक की तैनाती की गई थी और न ही आपात स्थिति के लिए सुरक्षा के माकूल प्रबंध किए गए थे। इसे लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा कि जो जांच-पड़ताल पहले की जानी चाहिए थी, वह बच्चे की मौत के बाद शुरू की गई। सवाल है कि सुरक्षा मानदंडों का इस तरह से उल्लंघन आखिर कैसे हो रहा है? क्या प्रशासनिक निगरानी एवं जांच तंत्र इतना कमजोर है कि कोई बिना अनुमति के ऐसी व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर सकता है, जिसमें किसी की जान जाने का जोखिम हो ? तरणताल में डूबने से मौत की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। उत्तर प्रदेश में कौशांबी के मंझनपुर में भी रविवार को तरणताल में नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। इसी तरह पिछले सप्ताह हरियाणा के जींद जिले में भी तरणताल में एक युवक की जान चली गई थी। इन तीनों घटनाओं की जांच में यह बात निकलकर सामने आई है कि वहां सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरती गई। यही नहीं, दिल्ली के जगतपुरी में तो तरणताल बिना अनुमति के संचालित किया जा रहा था। जाहिर है, यह सब अधिकारियों की मिलीभगत से ही संभव हो सकता है। सरकार को ऐसे मामलों में नियमों को कड़ाई से लागू करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय करनी चाहिए, ताकि बच्चों और युवाओं की जान के साथ खिलवाड़ न हो ।

यूडी टैक्स पर निगम के अफसर बन रहे ओवर स्मार्ट, बकायेदारों को करते हैं सार्वजनिक बदनाम, लेकिन आरटीआई में बन रहे 'प्राइवेसी' के चौकीदार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निगम उदयपुर का नगरीय विकास कर (यूडी टैक्स) को लेकर रवैया सवालों के घेरे में आ गया है। एक ओर निगम वर्षों से यूडी टैक्स वसूली का पूरा काम निजी एजेंसी के भरोसे चलाता आ रहा है, वहीं दूसरी ओर सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत जानकारी मांगने पर अब वही निगम बड़े होटलों की निजता का हवाला देकर सूचना रोकने की तैयारी में दिखाई दे रहा है। याने सूचना की पहरेदारी और कुंडली मार कर चौकीदारी की जा रही है। ये क्यों हो रही है ये तो निगम के अफसर ही बता सकते हैं मगर यह जांच का विषय है कि यूडी टेक्स के बारे में बताना आखिर कैसे निजी सूचना हो सकता है। जनता को जानने का अधिकार है कि कौन कितना टेक्स दे रहा है, यह बताना भी जनहित में ही है और अफसर भी जनता के पैसों की तनखवाह लेकर इसलिए नहीं बिठा रखे हैं कि वो खुद मनमानी करने लग जाएं। वीआईपी संस्थानों की सूचना पर चौकीदार बनकर बैठ जाएं और सूचना मांगने पर उटपटांग जवाब दे दें। यह अब चलने वाला नहीं है। दरअसल, निगम की ओर से समय-समय पर यूडी टैक्स बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक रूप से नाम, बकाया राशि और संपत्तियों की तस्वीरें जारी की जाती रही हैं। निगम की टीम सीजिंग कार्रवाई के दौरान भवनों पर नोटिस चस्पा कर संबंधित प्रतिष्ठानों को खुलेआम नेम एंड शेम भी करती है। खबरें प्रकाशित व प्रसारित खुद निगम करता है। आयुक्त साहब चेतावनी देते हैं कि जमा करवा दें वरना कार्रवाई होती रहेगी। जिनके 80 हजार तक बकाया है, उनके नाम भी डिफाल्टर के रूप में सार्वजनिक करते हैं, पता भी होता है व कई बार पिता या फर्म का नाम भी। लेकिन अब जब आरटीआई आवेदन क्रमांक 199 दिनांक 14 मई 2026 के तहत शहर के प्रमुख होटलों — लेक पैलेस, द लीला पैलेस उदयपुर, उदय विलास और जगमंदिर — द्वारा वर्ष 2024 और 2025 में जमा कराए गए नगरीय विकास कर की जानकारी मांगी गई, तो निगम ने सूचना सीधे देने के बजाय संबंधित होटलों को पत्र भेजकर उनकी सहमति मांग ली। हद है ढीठता की। नगर निगम की ओर से जारी पत्र में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 11 का हवाला देते हुए कहा गया है कि संबंधित होटल "तृतीय पक्षकार" हैं, इसलिए उनसे पूछा जा रहा है कि सूचना दी जाए या नहीं। होटल प्रबंधन से सात दिन में सहमति या असहमति देने को कहा गया है। याने होटल वालों से कहा है कि प्लीज आप बता दीजिए कि हम सूचना दें या नहीं। क्या यह सूचना यूडीए के पास नहीं है, क्या सूचना निजी है, क्या सूचना देने से अधिकारियों के सुर्खाब के पर कतर दिए जाएंगे। आखिर राज क्या है यह बड़ा सवाल है। यहीं से निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारों का कहना है कि यदि यूडी टैक्स से जुड़ी जानकारी इतनी गोपनीय है तो फिर निगम आम नागरिकों, व्यापारियों और छोटे प्रतिष्ठानों के टैक्स बकाया सार्वजनिक क्यों करता है? और यदि सार्वजनिक हित में बकाया जानकारी जारी की जा सकती है, तो बड़े होटलों के मामले में अलग मानदंड क्यों अपनाए जा रहे हैं? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि निगम खुद यूडी टैक्स का डेटा निजी एजेंसी के माध्यम से संचालित कर रहा है। ऐसे में डेटा की गोपनीयता को लेकर निगम का तर्क और भी कमजोर नजर आता है। आलोचकों का कहना है कि निगम छोटे बकायेदारों पर सख्ती और बड़े प्रतिष्ठानों पर नरमी का रवैया अपना रहा है। अब देखना यह होगा कि निगम आरटीआई आवेदक को सूचना उपलब्ध कराता है या "तृतीय पक्ष" की आड़ लेकर मामले को लंबा खींचता है।

मोबाइल ने घोला रिश्ते में जहरः पति-पत्नी ने खाया विषाक्त पदार्थ, कमरे में बेहोश मिले दोनों

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। पीपलवास क्षेत्र में मोबाइल फोन को लेकर पति-पत्नी के बीच चल रहा विवाद सोमवार रात इतना बढ़ गया कि दोनों ने जहरीला पदार्थ खा लिया। देर रात दोनों कमरे में बेहोशी की हालत में मिले, जिसके बाद परिजनों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। घटना पीपलवास थाना क्षेत्र के बानसेन गांव की है। जानकारी के अनुसार रामलाल भील और उसकी पत्नी सीमा के बीच पिछले कुछ समय से घरेलू विवाद चल रहा था। परिवार और ग्रामीणों के अनुसार पति को शक था कि उसकी पत्नी किसी अन्य व्यक्ति से मोबाइल पर बातचीत करती है और दिनभर फोन का अधिक इस्तेमाल करती है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन कहासुनी होती रहती थी। सोमवार रात मोबाइल फोन को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि बहस बढ़ने के बाद गुस्से में आकर दोनों ने कमरे में जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ ही देर में उनकी तबीयत बिगड़ गई और दोनों बेहोश होकर गिर पड़े। काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर परिजनों को शक हुआ। दरवाजा खोलने पर दोनों अचेत अवस्था में मिले। इसके बाद परिवार के लोगों ने पड़ोसियों की मदद से दोनों को तुरंत चित्तौड़गढ़ जिला अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों का इलाज शुरू किया। इलाज के दौरान सीमा को होश आ गया, जिसके बाद उसे महिला वार्ड में भर्ती किया गया। वहीं रामलाल भील की हालत गंभीर होने पर उसे आईसीयू में रखा गया था। हालांकि बाद में डॉक्टरों ने उसकी स्थिति में सुधार होने और खतरे से बाहर होने की जानकारी दी है।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा 20 से 22 मई तक वागड़ प्रवास पर डबोक उदयपुर आकर बांसवाड़ा एवं डूंगरपुर जाएंगे मुख्यमंत्री

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 19 मई। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा 20 से 22 मई तक वागड़ प्रवास पर रहेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्री शर्मा 20 मई को शाम 4.30 बजे विशेष विमान से महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक पहुंचेंगे। यहां से हेलीकॉप्टर द्वारा बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ विधानसभा अंतर्गत चुडादा गांव पहुंच कर ग्राम विकास चैपाल में भाग लेंगे। उनका रात्रि विश्राम चुडादा गांव में ही रहेगा। अगले दिन 21 मई को मुख्यंमत्री चुडादा में प्रातः भ्रमण कर आमजन से संवाद करेंगे। सुबह 10 बजे कलक्ट्रेट बांसवाड़ा पहुंच कर जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेंगे। मुख्यमंत्री अपराह्न बाद 3.30 बजे जिला कलक्ट्रेट डूंगरपुर पहुंच कर जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेंगे। इसके पश्चात् शाम 6.45 बजे चौरासी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धंबोला पहुंच कर ग्राम विकास चौपाल में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री का रात्रि विश्राम धंबोला में रहेगा। 22 मई को मुख्यमंत्री धंबोला में प्रातः भ्रमण करेंगे। इसके पश्चात् सुबह 9.40 बजे हेलीकॉप्टर से डबोक एयरपोर्ट पहुंच कर विशेष विमान से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

बम्बोरा और कानोड डाकघर में आधार सेवाएं शुरू

AADHAAR

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 19 मई। डाक घर बम्बोरा एवं कानोड में आधार नामांकन एवं अपडेशन सेवाएं उपलब्ध हैं। डाक मण्डल उदयपुर के प्रवर अधीक्षक ने बताया कि बम्बोरा और कानोड डाकघर में आधार सेवाएं प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। आमजन निर्धारित समयावधि में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर आधार सेवाओं का लाभ ले सकते हैं।

पूर्व संघचालक वैद्य भागीरथ जोशी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 18 मई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक रहे, समाजसेवी व चिकित्सक वैद्य भागीरथ जोशी की 37वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को महाराणा भूपाल चिकित्सालय परिसर स्थित प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित करके उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर संघ में वैद्य भागीरथ जोशी के सहयोगी रहे, पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व की चर्चा करते हुए संस्मरणों की चर्चा करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी, पूर्व पार्षद डॉ. विजय विप्लवी, दिनेश गुप्ता, समाजसेवी भूपाल बाबेल, गिरीश त्रिवेदी, एडवोकेट योगेन्द्र दशोरा, यशवन्त जोशी, भुवनेश्वर जोशी, पुष्पा जोशी,डॉ मनीष तिवारी, भावना तिवारी, दीप्ति शर्मा, अवनी शर्मा, जियांशी तिवारी, पार्थ शर्मा, प्रतीक जोशी सहित परिजनों ने पुष्पांजलि अर्पित की। संयोजन डॉ. मनीष तिवारी ने व धन्यवाद ज्ञापन पूर्व पार्षद दिनेश गुप्ता ने किया

तलवार दिखाकर युवक से लूट, अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

सलूम्बर। खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में देर रात युवक को रोककर तलवार की नोक पर नकदी और मोबाइल लूटने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 309(4) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार लोकेश मीणा पुत्र केशवलाल अहारी मीणा, उम्र 27 वर्ष, निवासी बलुवा थाना सराड़ा जिला सलूम्बर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 17 मई 2026 की रात करीब 12 बजे वह बलेवड़ी रोड से गुजर रहा था। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने रास्ता रोक लिया और तलवार दिखाकर धमकाते हुए उससे नकदी एवं मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया। पुलिस आसपास के क्षेत्र में बदमाशों की तलाश कर रही है। प्रकरण की जांच सहायक उपनिरीक्षक ईश्वरचंद कर रहे हैं।

सूने मकान में चोरी, लाखों के सोने-चांदी के जेवरात ले गए बदमाश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फलासिया थाना क्षेत्र के कोल्यारी गांव में अज्ञात बदमाशों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शेरसिंह राजपूत पुत्र भगवतसिंह राजपूत, उम्र 67 वर्ष, निवासी कोल्यारी थाना फलासिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 17 मई की रात अज्ञात बदमाश उनके घर में घुस गए। बदमाशों ने घर के तीन कमरों के ताले तोड़कर अलमारियों को खंगाला और उनमें रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर फरार हो गए। रिपोर्ट के अनुसार चोरी हुए सामान में सोने की पायल-बिछिया, नेकलेस, पुच्चे, गले के सेट, इयररिंग्स विद चेन, अंगूठी तथा चेन सहित चांदी के आभूषण शामिल हैं। मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 331(4) एवं 305(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। घटना की जांच हेड कांस्टेबल कांतिलाल कर रहे हैं।

युवती के लापता होने का मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक युवती के लापता होने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने प्रकरण संख्या 294/2026 में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार लक्ष्मी बाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी पुत्री 16 मई की रात करीब 10:30 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई और वापस नहीं लौटी। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बावजूद युवती का कोई सुराग नहीं लगने पर थाने में रिपोर्ट दी गई। मामले में अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। प्रकरण की जांच सहायक उपनिरीक्षक सुरजमल को सौंपी गई है।

युवक से मारपीट का मामला दर्ज, दो आरोपियों के खिलाफ केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने अनुसार प्रकरण संख्या 293/2026 में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 126(2), 115(2) एवं 189(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार गोपाल भाट पुत्र मांगीलाल भाट, उम्र 24 वर्ष, निवासी भामाखेड़ा थाना रेलमगरा जिला राजसमंद हाल निवासी आकाशवाणी कॉलोनी मादड़ी ने रिपोर्ट दी कि आरोपियों ने आपसी रंजिश के चलते उसके साथ मारपीट की। मामले में पुलिस ने सुनील भील निवासी मुखर्जी चौराहा कांकरोली जिला राजसमंद सहित अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। घटना 17 मई 2026 की रात करीब 7:30 बजे आकाशवाणी कॉलोनी मादड़ी क्षेत्र की, बताई गई है। प्रकरण की जांच हेड कांस्टेबल प्रताप सिंह को सौंपी गई है।

बाल विवाह, दुष्कर्म व दहेज प्रताड़ना के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा (कविता पारख)। निम्बाहेड़ा की कोतवाली थाना पुलिस ने बाल विवाह, दुष्कर्म एवं दहेज प्रताड़ना से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए युवक तथा पीड़िता की माता को गिरफ्तार किया है। मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि 17 अप्रैल को प्राप्त परिवाद के आधार पर मामला दर्ज किया गया। रिपोर्ट में आरोप लगाया कि वर्ष 2023 में नाबालिग बालिका का विवाह उसकी उम्र पूर्ण होने से पहले कर दिया गया था। विवाह के बाद ससुराल पक्ष द्वारा बालिका के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने, दहेज की मांग करने तथा प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए। बाद में कथित रूप से मारपीट कर उसे घर से निकाल देने की बात भी सामने आई। प्रकरण दर्ज होने के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा एवं डीएसपी बद्रीलाल राव के सुपरविजन में थानाधिकारी रामसुमेर मीणा के नेतृत्व में जांच टीम गठित की गई। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने पाया कि बालिका के अभिभावकों को उसकी नाबालिग आयु की जानकारी होने के बावजूद विवाह कराया गया था। पुलिस ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम एवं पोक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी पति और पीड़िता की माता को गिरफ्तार किया। महिला आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है, जबकि मुख्य आरोपी का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है। मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है तथा अनुसंधान जारी है। कार्रवाई में थानाधिकारी रामसुमेर मीणा सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की भूमिका रही।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

शुभेंदु अधिकारी के PA हत्याकांड में CBI की बड़ी कार्रवाई: मुख्य शूटर राजकुमार यूपी से गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उत्तर प्रदेश। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में सीबीआई ने एक और बड़ी गिरफ्तारी की है। एजेंसी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के बलिया निवासी राजकुमार सिंह को मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया। जांच एजेंसी उसे इस सनसनीखेज हत्याकांड का मुख्य शूटर मान रही है। इससे पहले 10 मई को इसी मामले में बलिया के ही राज सिंह को अयोध्या से पकड़ा गया था।

चुनाव नतीजों के दो दिन बाद हुई थी हत्या

चंद्रनाथ रथ की 6 मई को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम आने के महज दो दिन बाद हुए इस हमले ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी थी।

जानकारी के अनुसार हमलावरों ने पहले उनकी कार को रुकवाया और फिर ताबड़तोड़ फायरिंग की। रथ को सीने और पेट में तीन गोलियां लगी थीं। गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच बाद में सीबीआई को सौंप दी गई।

हरिद्वार से लौटते समय दबोचा गया आरोपी

सीबीआई को पहले से राजकुमार सिंह की गतिविधियों की जानकारी मिल चुकी थी। एजेंसी को इनपुट मिला था कि वह हरिद्वार से लौट रहा है। इसके बाद सीबीआई टीम ने मुजफ्फरनगर के छपार क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा के पास निगरानी बढ़ा दी। सोमवार तड़के जैसे ही संदिग्ध वाहन वहां पहुंचा, टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी के बाद उससे लंबी पूछताछ की गई।

कोर्ट से मिला 24 घंटे का रिमांड

सीबीआई अधिकारी राजेश कुमार ने आरोपी को सीजेएम कोर्ट में पेश किया, जहां से एजेंसी को 24 घंटे की रिमांड मिल गई। अब सीबीआई हत्या की साजिश, फंडिंग और अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर पूछताछ कर रही है। एजेंसी यह भी पता लगाने में जुटी है कि राज सिंह और राजकुमार के बीच क्या कनेक्शन था।

मुंबई में काम करता था, विदेश जाने की तैयारी में था आरोपी

जांच में सामने आया है कि राजकुमार सिंह ने बीए प्रथम वर्ष तक पढ़ाई की थी, लेकिन बाद में पढ़ाई छोड़ दी। इसके बाद वह मुंबई में क्रेन हेल्पर के तौर पर काम करने लगा। करीब आठ महीने पहले वह वापस गांव लौट आया था और पासपोर्ट बनवाकर विदेश जाने की तैयारी कर रहा था। करीब तीन साल पहले बलिया के रत्तीपुर गांव में हुए एक विवाद के मामले में उसका नाम सामने आने पर वह जेल भी जा चुका है।

पिता बोले- सच सामने आ जाएगा

आरोपी के पिता त्रिभुवन नारायण सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह उन्हें सीबीआई अधिकारियों का फोन आया था। अधिकारियों ने बताया कि उनके बेटे को पश्चिम बंगाल में हुए हत्या मामले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार पश्चिम बंगाल से किसी प्रकार का संबंध नहीं रखता और उन्हें यह भी जानकारी नहीं कि उनका बेटा वहां गया था या नहीं। उन्होंने कहा कि सीबीआई जांच कर रही है और सच्चाई सामने आ जाएगी।

रेस्टोरेंट से मोबाइल व सामान चोरी, दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मावली थाना क्षेत्र के वांगरोड़ी गांव स्थित एक रेस्टोरेंट में चोरी की वारदात का मामला सामने आया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 126(2), 115(2), 326(च) एवं 324(4) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस के अनुसार किशन डांगी पुत्र देवलाल डांगी, निवासी बोर का कुआं मावली ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वांगरोड़ी में उनका "सांवरिया दालबाटी" नाम से रेस्टोरेंट संचालित है। 17 मई 2026 की रात करीब 10:30 बजे आरोपियों ने रेस्टोरेंट में चार्जिंग पर लगा मोबाइल फोन तथा अन्य सामान चोरी कर लिया। मामले में पुलिस ने राकेश भील निवासी जवानजी का खेड़ा तथा निखिल गुर्जर निवासी मावली के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रकरण की जांच पुलिस अधिकारी बसंतीलाल कर रहे हैं।

पर्यटकों को अवैध रूप से भ्रमण कराने के आरोप में युवक पर कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हाथीपोल थाना क्षेत्र में पर्यटन व्यवसाय अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी पर कमीशन के लालच में पर्यटकों को अवैध रूप से साइट सीन और भ्रमण कराने का आरोप है। पुलिस के अनुसार 18 मई को यूआईटी सर्किल क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान आरोपी पर्यटकों को बिना वैध अनुमति के भ्रमण कराते हुए पाया गया। मामले में राजस्थान पर्यटन व्यवसाय अधिनियम 2010 की धारा 13(1)(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी की पहचान रेहान हुसैन पुत्र असलम हुसैन, उम्र 22 वर्ष, निवासी दीवानशाह कॉलोनी पटेल सर्कल थाना सूरजपोल के रूप में हुई है। कार्रवाई हेड कांस्टेबल केसरलाल द्वारा की गई, जबकि मामले की जांच हेड कांस्टेबल हरिराम कर रहे हैं।

उचित मूल्य की दुकान से सरकारी गेहूं चोरी, दो आरोपियों पर मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मावली थाना क्षेत्र के जवानजी का खेड़ा गांव स्थित उचित मूल्य की राशन दुकान में चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 331(4) एवं 30(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार चंद्रशेखर शर्मा पुत्र स्वर्गीय मदनलाल शर्मा, उम्र 51 वर्ष, निवासी मावली ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि जवानजी का खेड़ा स्थित उनकी उचित मूल्य की राशन दुकान में 18 मई 2026 की सुबह करीब 5 बजे चोरी की वारदात हुई। आरोप है कि आरोपी रात के समय दुकान में घुसे और सरकारी गेहूं के भंडार से पांच कट्टे गेहूं चोरी कर ले गए। मामले में पुलिस ने राकेश भील निवासी जवानजी का खेड़ा तथा निखिल गुर्जर निवासी मावली के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रकरण की जांच हेड कांस्टेबल भरतलाल कर रहे हैं।

सूने घर को निशाना बनाकर चोरों का धावा: कमरे में सो रहे दंपती को बाहर से बंद किया, 50 लाख से ज्यादा के जेवर और नकदी ले उड़े

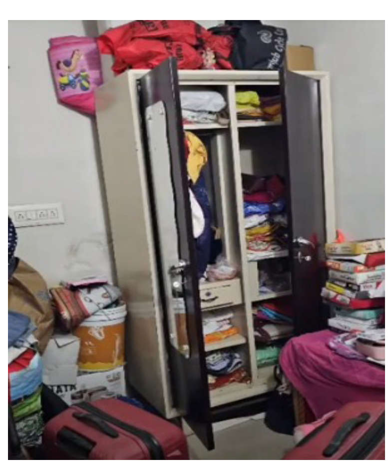

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के फलासिया थाना क्षेत्र में चोरों ने एक सुनियोजित वारदात को अंजाम देते हुए घर से लाखों रुपए के जेवरात, नकदी और दुर्लभ सिक्कों पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत के साथ पुलिस व्यवस्था को लेकर भी नाराजगी देखी जा रही है। वारदात रावला फला क्षेत्र की है। पीड़ित शेर सिंह शक्तावत ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह पत्नी के साथ जरूरी काम से उदयपुर गए हुए थे। घर पर उनका बेटा हेमेन्द्र सिंह शक्तावत और बहू मौजूद थे, जो रात में अपने कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान देर रात चोर मकान के पीछे के रास्ते से घर में घुस आए। सबसे पहले बदमाशों ने हेमेन्द्र और उनकी पत्नी के कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया, ताकि उन्हें वारदात की भनक लगने पर भी बाहर निकलने का मौका न मिले। इसके बाद चोरों ने घर के बाकी कमरों को निशाना बनाया। बदमाशों ने तीन कमरों के ताले और अलमारियां तोड़कर उनमें रखे सोने-चांदी के कीमती जेवरात, नकदी और अन्य सामान चोरी कर लिया। पीड़ित परिवार के अनुसार चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 50 से 52 लाख रुपए आंकी गई है। चोरी हुए सामान में सोने की नथ, गले के सेट, अंगूठियां, चूड़ियां, ईयररिंग्स, बालियां, पायल, बिछिया और अन्य पारंपरिक आभूषण शामिल हैं। इसके अलावा करीब 2.6 किलो चांदी के बर्तन भी बदमाश ले गए, जिनमें प्लेटें, ट्रे, गिलास और चांदी के बिस्किट शामिल बताए गए हैं। चोर एक लाख रुपए नकद और 2000 के पुराने दुर्लभ सिक्के भी साथ ले गए। घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें एक संदिग्ध युवक घर के सामने सड़क पर आता-जाता दिखाई दे रहा है। पुलिस फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से मोटरसाइकिल चोरी, मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों द्वारा एक मोटरसाइकिल चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 303(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पवन खंडेलवाल पुत्र स्वर्गीय श्यामलाल गुप्ता, उम्र 48 वर्ष, निवासी ए-365 हाउसिंग बोर्ड, दक्षिण विस्तार योजना बलीचा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 17 मई 2026 की रात करीब 10:30 बजे अज्ञात चोर उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। घटना के बाद पीड़ित ने गोवर्धन विलास थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की तलाश में जुटी है। प्रकरण की जांच हेड कांस्टेबल नंदकिशोर कर रहे हैं।

फतहसागर में मिला कारोबारी का शव: 48 घंटे बाद खत्म हुई तलाश, तैराकी सिखाने वाले ललित मेहता की डूबने से मौत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर की फतहसागर झील में लापता हुए कारोबारी ललित मेहता का शव मंगलवार सुबह तीसरे दिन बरामद कर लिया गया। करीब 48 घंटे तक चले लगातार सर्च ऑपरेशन के बाद सिविल डिफेंस की टीम को झील में फाउंटेन के पास शव दिखाई दिया, जिसके बाद उसे बाहर निकालकर अंबामाता थाना पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा। अशोकनगर निवासी 62 वर्षीय ललित मेहता धानमंडी क्षेत्र में अनाज व्यापार से जुड़े थे। वे पिछले करीब 20 वर्षों से नियमित तैराकी करते थे और शहर में कई लोगों को स्विमिंग भी सिखाते थे। ऐसे अनुभवी तैराक की झील में डूबने की घटना ने शहरभर को हैरान कर दिया है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 8 बजे वे रोजाना की तरह फतहसागर झील पहुंचे थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने और फोन रिसीव नहीं करने पर परिजन उन्हें तलाशते हुए झील किनारे पहुंचे। वहां उनकी कार, कपड़े और अन्य सामान मिला, लेकिन वे नजर नहीं आए। सूचना मिलने पर अंबामाता थाना पुलिस और नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची। रविवार और सोमवार को सुबह से शाम तक झील के अलग-अलग हिस्सों में लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। मंगलवार सुबह करीब 7 बजे झील के फाउंटेन क्षेत्र के पास शव दिखाई देने पर टीम ने उसे बाहर निकाला। पुलिस ने झील किनारे लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। फुटेज में ललित मेहता पहले झील किनारे व्यायाम करते और बाद में पानी में उतरते नजर आए थे। सिविल डिफेंस टीम के सदस्य कैलाश मेनारिया ने बताया कि परिजनों ने जानकारी दी थी कि करीब पांच महीने पहले ललित मेहता के हृदय में स्टंट डालने का ऑपरेशन हुआ था। हालांकि उनकी मौत के स्पष्ट कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि तैराकी के दौरान वे झील के गहरे हिस्से में चले गए होंगे और संभवतः झाड़ियों में फंसने के कारण बाहर नहीं निकल पाए।

पहले होने दो जमकर अतिक्रमण, फिर हटा कर जनता का पैसा धुआं करो, मूर्ख बनाओ महा-अभियान!! यूडीए सवालों के घेरे में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर विकास प्राधिकरण एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गया है। प्राधिकरण का एक ही मूल मंत्र लगता है कि पहले जमकर अतिक्रमण होने दो, आंख मूंद लो। उसके बाद दल बल के साथ बरसों बाद निकलो और जनता का पैसा फूंकते हुए अतिक्रमण हटाओ, वाहवाही लूट लो। जबकि प्राधिकरण के अफसरों का काम ही अतिक्रमण नहीं होने देना है। उनको तनख्वाह ही इसी बात की मिलती है कि कहीं अतिक्रमण हो रहा हो तो तत्काल नजर रखो, नोटिस दो, तुरंत हटवाओ मगर यहां पर यूडीए में फैले भारी भ्रष्टाचार के चलते अफसर नींद में रहते हैं। या फिर जमीन माफिया के आभामंडल में खोए रहते हैं। कहां अतिक्रमण हो रहा है कब हटाना है जो नहीं हटा रहे हैं उनको चार्जशीट देकर तत्काल नौकरी से चलता करना है आदि मूलभूत काम भी उनसे नहीं होते। इसका नतीजा यह होता है कि अतिक्रमण हटाने की नौटंकी होती है। दूसरी तरफ नेता नगरी भी दबाव बनाते हुए अतिक्रमण करवाती है और हटते हैं तब प्रभावशाली लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। शहर में ऐसे कई इलाके हैं जो इसकी जीती जागती मिसाल है। मंगलवार को शहर की माली कॉलोनी से हिरणमगरी को जोड़ने वाली 100 फीट रोड पर बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई वो भी जनता के पैसे बर्बाद करके। इस दौरान सड़क सीमा में बने रेंप, पक्के निर्माण, अस्थायी ढांचे और होर्डिंग्स को बुलडोजर से हटाया गया। ये केसे बन गए किसके कार्यकाल में बन गए यह सवाल बड़ा है जांच का विषय है व उन अफसरों व कर्मचारियों को तत्काल चार्जशीट देकर उनसे वसूली होनी चाहिए जिनके कारण अतिक्रमण हुए। यूडीए की टीम सुबह करीब 10 बजे भारी पुलिस जाब्ते और मशीनरी के साथ मौके पर पहुंची। कार्रवाई की शुरुआत नारायण सेवा संस्थान के वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी केंद्र के सामने से की गई। अधिकारियों ने पहले सड़क के डिवाइडर से दोनों ओर 50-50 फीट की सीमा का मापन कराया, जिसके बाद निर्धारित सीमा के भीतर आने वाले अतिक्रमणों को हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई। सड़क किनारे बने रेंप, दुकानों के आगे किए गए पक्के विस्तार और नालों पर किए गए निर्माण निशाने पर लिए गए। कई स्थानों पर लोगों ने सड़क सीमा तक सीमेंटेड प्लेटफॉर्म और अस्थायी शेड बना रखे थे, जिन्हें मौके पर ही ध्वस्त किया गया। सड़क किनारे लगे बड़े होर्डिंग्स और अवैध बोर्ड भी हटाए गए। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अफसरों व नेताओं की शह पर अतिक्रण करने वालों के हौसले इतने बुलंद हो गए कि उन्होंने कच्चे निर्माणों को पक्का कर दिया व उनको विश्वास था कि हमारा तो कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। हमारा दावा है कि आज से साल दो साल बाद भी यही खबर पढने को मिलेगी कि इसी जगह पर अतिक्रमण हटाए गए। सिस्टम बदलेगा इसमें पूरा संशय है। यूडीए की टीम ने चंद्रशेखर आजाद मार्ग, वाकल माता मार्ग होते हुए हिरणमगरी मुख्य मार्ग तक कार्रवाई की। इसके बाद दूसरी लेन में स्वागत वाटिका क्षेत्र से अभियान आगे बढ़ाया गया, जहां वाटिका के मुख्य गेट के बाहर बने रेंप और अन्य निर्माण हटाए गए। अभियान के दौरान कई व्यापारियों और मकान मालिकों ने प्रशासन की कार्रवाई को देखते हुए स्वयं ही अपने अस्थायी अतिक्रमण हटाने शुरू कर दिए। यूडीए आयुक्त अभिषेक खन्ना ने कहा कि शहर की प्रमुख सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से सड़क सीमा और नालों पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं करने की अपील की।

खाटू श्यामजी मंदिर समिति की फॉर्च्यूनर का कहरः तीन बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत; कार से शराब की बोतलें बरामद

24 न्यूज अपडेट

अजमेर। अजमेर-पुष्कर मार्ग पर सोमवार रात तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने ऐसा तांडव मचाया कि एक युवक की जान चली गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसा पुष्कर घाटी के पास हुआ, जहां कार ने एक के बाद एक तीन बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार कुछ बाइक सवारों को घसीटते हुए आगे तक ले गई।

दुर्घटना में धौलाभाटा निवासी रवि की मौत हो गई। वह अपने बहनोई जितेंद्र उर्फ सोनू के साथ बाइक पर सवार था। दोनों पेंटिंग का काम करते थे। हादसे में जितेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी हादसे में शास्त्री नगर निवासी रोहित और उसके चाचा मधुसूदन वैष्णव भी घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत जेएलएन अस्पताल पहुंचाया गया। एक अन्य घायल युवक इलाज के दौरान अस्पताल से बिना औपचारिक एंट्री के चला गया।

मंदिर समिति के नाम पर रजिस्टर्ड निकली कार

हादसे के बाद सामने आया कि दुर्घटनाग्रस्त फॉर्च्यूनर खाटू श्याम मंदिर सेवा समिति के नाम पर पंजीकृत है। मौके पर समिति से जुड़े सदस्य दिग्विजय सिंह घायल अवस्था में मिले। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे चोटिल हालत में दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इस पूरे मामले में पुलिस फिलहाल खुलकर कुछ भी कहने से बच रही है।

कार से शराब का कार्टन मिला, सीट पर खुली बोतल

पुलिस को हादसे के बाद फॉर्च्यूनर की तलाशी में शराब की बोतलों से भरा कार्टन मिला। इतना ही नहीं, कार की सीट पर एक शराब की खुली बोतल भी पड़ी मिली। इससे आशंका जताई जा रही है कि कार चालक नशे की हालत में हो सकता है। सूत्रों के अनुसार इसी वाहन पर ओवरस्पीडिंग के नौ चालान भी लंबित बताए जा रहे हैं।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

मृतक रवि के पिता किशोर कुमार रेलवे से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। उन्होंने पुष्कर थाने में मामला दर्ज करवाया है। रवि अपने परिवार में इकलौता बेटा था। उसकी चार बहनें हैं, जिनमें दो की शादी हो चुकी है।

पानी की किल्लत पर फूटा लोगों का गुस्साः जलदाय विभाग को सौंपीं खाली मटकियां, 10 दिन में सुधार नहीं हुआ तो ताला लगाने की चेतावनी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरण मगरी सेक्टर-4 क्षेत्र में लगातार बिगड़ती पेयजल व्यवस्था को लेकर मंगलवार को स्थानीय लोगों का आक्रोश खुलकर सामने आया। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, आदर्श नगर, न्यू विद्या नगर और ज्ञान नगर के रहवासियों ने जलदाय विभाग कार्यालय पहुंचकर खाली मटकियां सौंपते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व अमित श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की सप्लाई बेहद कम समय के लिए हो रही है और पानी का प्रेशर भी इतना कम रहता है कि कई घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा। इससे आमजन को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब विभाग पर्याप्त पानी उपलब्ध ही नहीं करा पा रहा तो लोगों के घरों में रखी मटकियां भी खाली ही रह जाती हैं। इसी नाराजगी के प्रतीक के तौर पर खाली मटकियां जलदाय विभाग को सौंपी गईं। अमित श्रीवास्तव ने चेतावनी दी कि यदि अगले दस दिनों में पेयजल व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी जलदाय विभाग कार्यालय पर ताला लगाकर बड़ा आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन के दौरान क्षेत्र के कई लोग मौजूद रहे, जिनमें खुशनुर, लीला देवी, गोविंद सक्सेना, गीता वैष्णव, वीरेंद्र सेन, शंकर वैष्णव, शफी मोहम्मद, अंजली वैष्णव, आशीष श्रीवास्तव और विकास शर्मा शामिल थे।

एचिंग एवं सेरीग्राफी कार्यशाला का शुभारंभ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 19 मई। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा बागोर की हवेली के ग्राफिक स्टूडियो में मंगलवार से सात दिवसीय एचिंग एवं सेरीग्राफी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी ने बताया कि बागोर की हवेली के ग्राफिक स्टूडियो में मंगलवार से सात दिवसीय एचिंग एवं सेरीग्राफी कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला में सेठ मथुरादास बिनानी राजकीय महाविद्यालय (नाथद्वारा), सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, पैसिफिक कॉलेज ऑफ फाईन आर्टस से करीब 20 प्रतिभागी भाग ले रहे है। यह कार्यशाला सुबह 10 बजे से सायं 6 बजे तक चलेगी। इस कार्यशाला के विशेषज्ञ गुजरात के दुष्यंत पटेल एवं उनके सहयोगी पलक शर्मा ने प्रतिभागियों को एचिंग एवं सेरीग्राफी के बारे में विस्तार से समझाया।

कार्यक्रम का संचालन सिद्धांत भटनागर ने किया।

इस अवसर पर दुर्गेश चांदवानी सहायक निदेशक (वित्त एवं लेखा), कार्यक्रम अधिशाषी हेमंत मेहता, अधीक्षण अभियंता सी.एल. सालवी, दीपक नवलखा, सुनील निमावत आदि उपस्थित थे।

महिला सुरक्षा को लेकर कालिका पेट्रोलिंग यूनिट सक्रिय, 3 युवक डिटेन, 2 बाइक जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर पुलिस की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा महिला सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर में विशेष अभियान लगातार जारी है। अभियान के तहत महिला पुलिसकर्मी सादा वस्त्रों में संवेदनशील क्षेत्रों में गुप्त निगरानी कर कार्रवाई कर रही हैं। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा के निर्देशन में चलाए जा रहे डिकॉय ऑपरेशन के तहत कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने घंटाघर और हिरणमगरी थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन एवं अनुचित व्यवहार करने वाले 3 व्यक्तियों को डिटेन किया है। साथ ही 2 मोटरसाइकिल भी जब्त की गई हैं। पुलिस के अनुसार कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा पार्क, स्कूल-कॉलेज के आसपास, बस स्टैंड, भीड़भाड़ वाले इलाके तथा महिलाओं और छात्राओं से छेड़छाड़ या अभद्रता की आशंका वाले स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन, फब्तियां कसने और अन्य आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट अब तक कुल 28 लोगों को अनुचित व्यवहार, शराब सेवन और अन्य अपराधों में पकड़ चुकी है। आने वाले दिनों में भी संवेदनशील क्षेत्रों में सादा वेश में गश्त और निगरानी जारी रहेगी।

जलापूर्ति सुधार की मांग को लेकर ग्राहक पंचायत ने जलदाय विभाग को सौंपा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलापूर्ति संबंधी समस्याओं को लेकर जलदाय विभाग के अधिशाषी अभियंता को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने पंजाबी बाग, नाकोड़ा नगर, श्रीनाथ कॉलोनी, शिव नगर, कालका माता रोड, गांधी नगर एवं आदर्श नगर सहित कई क्षेत्रों में कम समय तक पानी सप्लाई होने, कम दबाव से जलापूर्ति तथा कुछ इलाकों में गंदा पानी आने की शिकायत उठाई। संगठन के जिला मंत्री नारायण पंचोली ने बताया कि भीषण गर्मी के चलते शहर और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था सुधारने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने जलदाय विभाग के गुलाब बाग कार्यालय पहुंचकर अधिशाषी अभियंता सृष्टि मेनारिया का उपरना पहनाकर स्वागत किया और समस्याओं से अवगत कराया। प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल ने कहा कि यदि सीवरेज का पानी आयड़ नदी में प्रवाहित नहीं कर उदयसागर से जलापूर्ति की जाए तो बेड़वास और प्रतापनगर क्षेत्र में पेयजल संकट से राहत मिल सकती है। उन्होंने बताया कि संगठन पिछले दो वर्षों से इस संबंध में विभाग को सुझाव देता आ रहा है। इस पर अधिशाषी अभियंता सृष्टि मेनारिया ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि प्रस्ताव को राज्य सरकार की स्वीकृति मिल चुकी है और शीघ्र ही फिल्टर प्लांट निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने गांधी नगर क्षेत्र में नई पानी की टंकी निर्माण की स्वीकृति मिलने तथा जलापूर्ति व्यवस्था सुधारने के प्रयास जारी होने की जानकारी भी दी। ज्ञापन देने वालों में महानगर अध्यक्ष करण सिंह कटारिया, फतेहलाल पारिक, राजेंद्र स्वर्णकार, महिला मंत्री मंजू भावसार, ओंकार जोशी, सत्यनारायण प्रजापत, नरपत सिंह कुमावत, जय प्रकाश भावसार, दशरथ कराड़िया, दिनेश श्रीमाली एवं अशोक शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।